मिशन शिक्षण संवाद

विज्ञान के प्रयोगों /सिद्धान्तों पर

आधारित कविताएँ

शैक्षिक कविताओं का संकलन

मिशन शिक्षण संवाद

संकलन- काव्य मंजरी टीम

मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ. आपका दिन शुभ हो बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ.

मिशन शिक्षण संवाद

विज्ञान के प्रयोगों/ सिद्धान्तों पर आधारित कविताएँ

हवा में भार होता है

01

हवा का कोई भार नहीं है,
ऐसा सबको लगता है।
लेकिन सिद्ध किया विज्ञान ने,
भार हवा में होता है।।

नाइट्रोजन, ऑक्सीजन, धूल और,
जल-कणों का मिश्रण हवा तैयार।
ये सब गैसें अणुओं से बनी हैं,
और सबका अपना होता है भार।।

एक तराजू लेकर तौलो,
खाली कोई ब्लेडर।
दूसरी ओर हवा भरकर,
फिर तौलो दोनों ब्लेडर।।

खाली वाले से भारी है,
ब्लेडर हवा से युक्त।
हवा का अपना भार है होता,
उदाहरण यह उपयुक्त।।

शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

किसी भी तरह के सुझाव या शिकायत के लिए व्हाट्सएप करें +91 9458278429

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ. आपका दिन शुभ हो बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ.

मिशन शिक्षण संवाद

विज्ञान के प्रयोगों/ सिद्धान्तों पर आधारित कविताएँ

02

बस में अचानक ब्रेक लगने पर यात्री का शरीर आगे की ओर क्यों झुकता है?

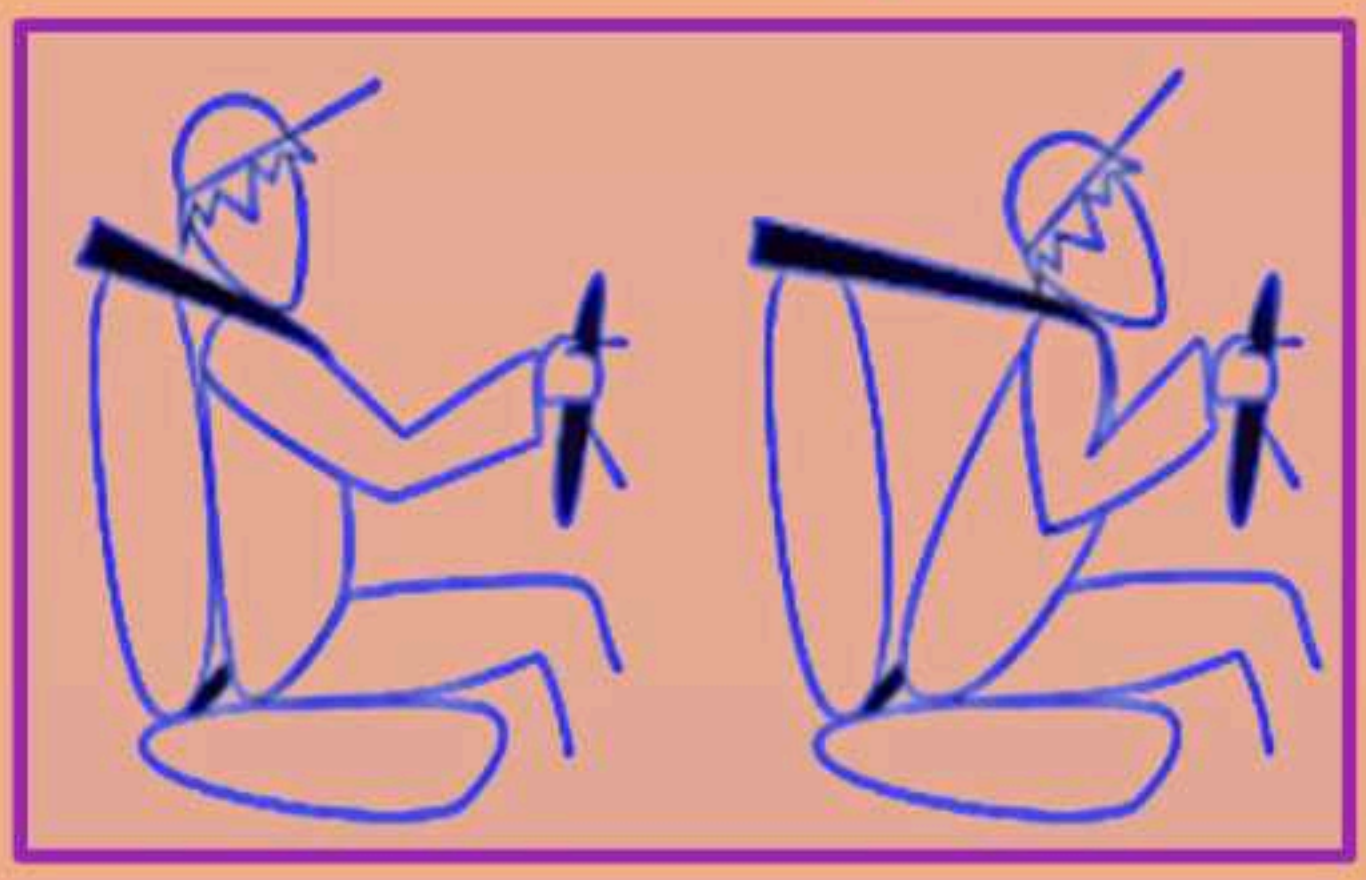

बस में बैठ किसी सफर पर,
जब हम जा रहे होते हैं।
अचानक ब्रेक लगने पर,
हम आगे की ओर झुकते हैं।।

आओ बच्चों हम जानें,
इसका कारण क्या होता है?
बस के अचानक रुकने पर,
उसका वेग शून्य हो जाता है।।

शरीर के निचले भाग का,
सम्पर्क बस के फर्श से होता है।
जिस कारण निचले भाग का,
वेग भी घटकर शून्य हो जाता है।।

परन्तु जड़त्व के कारण शरीर का,
ऊपरी भाग गति अवस्था में होता है।
उसी वेग से आगे की ओर,
चलने का प्रयत्न करता है।।

इसी कारण ब्रेक लगने पर,
शरीर आगे की ओर झुकता है।
दुर्घटना से बचने के लिए यात्री,
सीट बेल्ट का प्रयोग होता है।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

किसी भी तरह के सुझाव या शिकायत के लिए व्हाट्सएप करें +91 9458278429

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ. आपका दिन शुभ हो बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ.

मिशन शिक्षण संवाद

विज्ञान के प्रयोगों/ सिद्धान्तों पर आधारित कविताएँ

सब चीजें नीचे क्यों गिरती हैं?

03

मम्मी बात बताओ हमको,
हरदम ऐसा क्या होता है?
बॉल उछालो अगर ऊपर तो,
हरदम क्यों नीचे गिरता है?

फल जो टूटा किसी पेड़ से,
नीचे ही वो गिरा हमेशा।
क्यों नहीं डाली से हटकर,
उड़े गगन में पक्षी जैसा?

बेटा सही पहचाना तुमने,
सभी वस्तुएँ नीचे गिरती हैं।
वो है एक ऐसी शक्ति जो,
गुरुत्वाकर्षण कहलाती है।।

दो पिण्डों के बीच लगता,
एक आकर्षक बल होता है।
आइजक न्यूटन ने बताया,
गुरुत्वाकर्षण बल होता है।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ. आपका दिन शुभ हो बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ.

मिशन शिक्षण संवाद

विज्ञान के प्रयोगों/ सिद्धान्तों पर आधारित कविताएँ

आसमान में इन्द्र धनुष क्यों बनता है

04

बचपन में जब आसमान पर,
इन्द्रधनुष देखा करते थे।
कैसे बनता है रंग-बिरंगा,
अक्सर सोचा करते थे।।

लाल, नारंगी, पीला, हरा,
आसमानी, नीला, बैंगनी।
इन्द्रधनुष कहलाता है,
होता है यह सतरंगी।।

बादल में पानी की बूँदों पर,
जब सूर्य का प्रकाश पड़ता है।
सूर्य की किरणों के विक्षेपण से,
सूर्य का प्रकाश बिखरता है।।

संध्या में पूर्व दिशा प्रातः में,
पश्चिम दिशा में दिखाई देता है।
कभी-कभी झरनों के पास भी,
इन्द्रधनुष दिन में दिखाई देता है।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
पू० मा० वि० भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

किसी भी तरह के सुझाव या शिकायत के लिए व्हाट्सएप करें +91 94582 78429

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ. आपका दिन शुभ हो बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ.

मिशन शिक्षण संवाद

विज्ञान के प्रयोगों/ सिद्धान्तों पर आधारित कविताएँ

05

रेल की पटरियों के बीच खाली जगह क्यों छोड़ते है ?

बैठ रेल में बड़े मजे से,
दूर- दूर तक हम जाते हैं ।
छुक-छूक करती जोर से,
जिसे लौह पथगामिनी कहते हैं ।।

चलती रेल पटरियों पर,
जो लोहे से बनती है।
लम्बी- लम्बी रेल पटरी,
सेक्शन से आपस में जुड़ती हैं ।।

थोड़ी- थोड़ी जगह छोड़,
क्यों पटरी जोड़ी जाती है ?
समझो बच्चों रहस्य इसका,
क्यों खाली जगह छोड़ी जाती है?

लोहा फैले गर्मी के मौसम में,
खूब सिकुड़ता सर्दी के मौसम में।
टूट सकता है लोहा फैलने से,
नहीं टूटती पटरी खाली जगह छोड़ने से ।।

रचना- प्रतिमा उमराव(स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

किसी भी तरह के सुझाव या शिकायत के लिए व्हाट्सएप करें +91 94582 78429

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ. आपका दिन शुभ हो बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ.

मिशन शिक्षण संवाद

विज्ञान के प्रयोगों/ सिद्धान्तों पर आधारित कविताएँ

तारे क्यों टिमटिमाते हैं 06

मंद-मंद कभी तेज़-तेज़,
प्रकाश की आभा में नहाते।
आकाश में दूर तक फैले,
तारे क्यों हैं टिमटिमाते??

दूर से हम पहचान हैं जाते,
इतना प्रकाश कहाँ से लाते?
आकाश में दूर तक फैले,
तारे क्यों हैं टिमटिमाते??

वायुमण्डलीय अपवर्तन कारण,
वस्तुओं से गुजरके आते।
स्थिर प्रकाश रखते फिर भी,
ये तारे हैं टिमटिमाते।।

पृथ्वी से जो अधिक दूर,
प्रकाश परतों से टकराकर लाते।
जो पास में पृथ्वी के,
वो तारे कम टिमटिमाते।।

रचना- आयुषी अग्रवाल (स०अ०)
क० वि० शेखूपुर खास
कुन्दरकी (मुरादाबाद)

किसी भी तरह के सुझाव या शिकायत के लिए व्हाट्सएप करें +91 94582 78429

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ. आपका दिन शुभ हो बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ.

मिशन शिक्षण संवाद

विज्ञान के प्रयोगों/ सिद्धान्तों पर आधारित कविताएँ

गिलास में ठंड़ा पानी ड़ालने पर बाहरी सतह पर बूँदें क्यों दिखतीं हैं?

07

ठंडा पानी गिलास में ड़ालने पर,
गिलास का तापमान कम होता।
बाहर का जलवाष्प गिलास के,
स्पर्श से तुरन्त ठंडा होता।।

वायुमण्डल में जल के कण,
वाष्प रूप में होते है।
वह जलवाष्प हमको बूँदों के रुप में,
गिलास की सतह पर दिखते हैं।।

उसी प्रकार पानी गर्म करने पर,
जल वाष्प में बदल जाता।
वायुमण्डल में छोटे कणों में जल,
जल वाष्प रुप में बिखर जाता।।

ठंडी सतह से ठंडा होता,
और पानी का रूप लेता।।
जैसे ठंडे मौसम में जलवाष्प,
कोहरा बन ठंडा लगता।।

नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि० संवि० पू० मा० वि० तेहरा
मथुरा, मथुरा

किसी भी तरह के सुझाव या शिकायत के लिए व्हाट्सएप करें +91 94582 78429

मिशन शिक्षण संवाद

विज्ञान के प्रयोगों/ सिद्धान्तों पर आधारित कविताएँ

08

दिन में तारे क्यों नहीं दिखाई देते?

दिन में सूरज आता है,
रात में आते चंदा तारे।
पर दिन के हो जाने पर,
छुप जाते हैं क्यों यह सारे?

चिंटू ने पूछा मैडम से,
तारे क्या दिन में सोते हैं।
ना-ना चिंटू तारे नभ में,
चौबीस घंटे ही होते हैं।।

वायु मंडल के कारण,
सूर्य-प्रकाश फैल जाता है।
तारों की आती रोशनी को,
हम तक आने से रोक पाता है।।

सूरज की तेज चमक में,
इनकी रोशनी छुप जाती है।
घोर अंधेरा होने पर,
इन की चमक बढ़ जाती है।।

रचना- पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

विज्ञान के प्रयोगों/सिद्धांतों पर आधारित कविताएँ

रचनाकारों की सूची

01- शिखा वर्मा, सीतापुर
02- जितेन्द्र कुमार, बागपत
03- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
04- शहनाज बानो, चित्रकूट
05- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
06-आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
07- नैमिष शर्मा, मथुरा
08- पूनम गुप्ता, अलीगढ़

तकनीकी सहयोग
1 नमिता राजपूत, मुरादाबाद
2 नाजिया परवीन, मुरादाबाद

मार्गदर्शन:- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन काव्य मंजरी टीम, मिशन शिक्षण संवाद